# ब्रेकथ्रू की विडियो वैन रवाना
# किशोर-किशोरियों को शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर करेगी जागरुक

**लखनऊ/बक्शी का तालाब,13 अप्रैल 2017,** मानवाधिकार और महिला हिंसा के मुद्दे पर काम करने वाली स्वंयसेवी संस्था ब्रेकथ्रू ने आज बक्शी का तालाब के ग्राम उसरना से अपनी वीडियो वैन के सफर का आग़ाज़ किया।वीडियो वैन का उद्घाटन फीता काटकर उसरना के ग्राम प्रधान जहीर ने किया। यह वीडियो वैन दस दिनों तक बक्शी का तालाब के विभिन्न इलाक़ों में जाकर किशोर-किशोरियों की शिक्षा व स्वास्थ्य के मुद्दे पर समुदाय को जागरुक करेगी।इस मौक़े पर आंगनवाड़ी वर्कर मंजू,शीला और रानी, आशा बहू सावित्री भी मौजूद रही। कार्यक्रम में किशोर-किशोरियों का उत्साब बढ़ाने के लिए ग्राम प्रधान जहीर ने दो सौ पेन भी बांटें।

इस अवसर पर ब्रेकथ्रू की राज्य प्रमुख(उत्तर प्रदेश) कृति प्रकाश ने बताया कि ब्रेकथ्रू लंबें समय से महिलाओं से जुड़े मुद्दे पर काम कर रहे है।काम के इस सफ़र के दौरान हमें अनुभव हुआ कि भारत में जहाँ 65 फ़ीसदी आबादी युवा है,जिसमें किशोरियों की संख्या लगभग 22 फीसदी हैं। ऐसे में हमें इनके बीच काम करने की ज़रूरत है क्योंकि यह हमारे देश,समाज का भविष्य है अगर इनकी शिक्षा और स्वास्थ्य मुक्कमल रहे तो हम एक ऐसे समाज की कल्पना कर सकते है जहाँ लड़का-लड़की के नाम पर भेद न हो और दोनों को बराबरी का दर्जा मिले।

बतौर मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान जहीर ने  कहा कि हम अगर बिना भेदभाव वाला समाज बनाना चाहते हैं तो हमें अपने बच्चों को पढ़ाना होगा उन्हें उड़ने के लिए खुला आसमान देना होगा,उन्हें अपना भविष्य चुनने के लिए आज़ादी देनी होगी और बेटे और बेटी के भेद से परे उठकर सोचना होगा और आप सब यह कर सकते हैं।
इस अवसर पर ब्रेकथ्रू की वरिष्ठ समन्वयक अर्चना सिंह ने कहा कि हमारे सर्वे के मुताबिक स्कूल में बच्चों का नामांकन तो हो जाता है लेकिन वो स्कूल नही जाते,लड़कियों के मामले में स्थित ज़्यादा गंभीर है उनका ड्राप आउट रेट बहुत अधिक है,इसकी एक बड़ी वजह सुरक्षा के साथ ही बेटियों का दूसरे की घर से इज़्ज़त से जोड़ कर देखा जाना है।इसलिए अकसर हम देखते हैं कि कम उम्र में उसकी शादी कर दी जाती जिसका बुरा असर उनकी पढ़ाई से लेकर स्वास्थ्य तक पर पड़ता है।
ब्रेकथ्रू की कम्युनिटी मोबलाइजर माला ने कहा कि कई स्कूलों में अभी भी टॉयलेट की बेहतर व्यवस्था नही इस वजह से भी ख़ासतौर से लड़कियों को स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है,इस वजह से भी स्कूलों में उनकी संख्या कम हो जाती है।ज़रूरी है समुदाय इस मुद्दे पर आगे बढ़ कर अपने बच्चों को पढ़ाये और बेटियाँ को अपना भविष्य सँवारने दें।

इस दौरान **'रश्मी मैट्रिक पास'** नाम की एक लघु फ़िल्म दिखाई गई जिसमें एक बेटी के मैट्रिक पास करने का सपना पिता कैसे पूरा करता है यह दिखाया गया था।साथ ही मुद्दे पर आधारित खेल व नुक्कड़ नाटक से भी समुदाय के साथ संवाद कर मुद्दे के प्रति जागरुक किया गया।

**ब्रेकथ्रू के बारे में-**

ब्रेकथ्रू एक मानवाधिकार संस्था है जो महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ होने वाली हिंसा और

भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम करती है।कला,मीडिया,लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से हम लोगों को एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं,जिसमें हर कोई सम्मान,समानता और न्याय के साथ रह सके।हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से मानवाधिकार से जुडें मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं।इसे देश भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक बना रहे हैं।इसके साथ ही हम युवाओं,सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को प्रशिक्षण भी देते हैं,जिससे एक नई ब्रेकथ्रू जेनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

**अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-**
**विनीत त्रिपाठी,**
**ब्रेकथ्रू,**
**9792267809**